CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE & COMMERCE FOR WOMEN, NUVEM GOA
SEMESTER END EXAMINATION, JANUARY 2022

Semester: I **Date : / /2022**
Cource name & Code : Madhyakalin Evam Aadhunik Hindi Kavya TathaVyakaran (HNC - 101)
Total Marks : 80 **Duration: 2 hours** **Total no. of pages : 02**
Instructions : 1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate full mark.

प्र.1.अ) निम्नलिखित ६मेंसे ४ प्रश्नों के १०० शब्दों में लघुउत्तर लिखिए। **(12)**

1. घनानंद ने "लाजनि लपेटी..." पद में नायिका का वर्णन किस तरह से किया है ?
2. कारागार में बंद स्वतंत्रता सेनानी की मनोदशा का चित्रण 'कैदी और कोकिल'कविता के माध्यम से कीजिए।
3. 'अधिवास' कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है ?
4. 'अकाल दर्शन' कविता में किस समस्या को चित्रित किया गया है ?
5. किसे जगह नहीं मिली है ? तीन उदाहरण दीजिए ।
6. 'कुछ दिन पहले 'कविता में स्त्रियाँ किस काम में जुटी है ?

प्र.1. आ) निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी ठीक करके लिखिए। **(04)**

1. कावय
2. सरवनाम
3. सहरष
4. मधयकाल
5. भकतिकाल
6. बास्कर
7. इनसान
8. सायनकाल

प्र.2. अ) निम्नलिखित ६ में से ४ प्रश्नों के १०० शब्दों में लघुउत्तर लिखिए। **(12)**

1. 'रश्मिरथी' के किन्हीं चार पात्रों के नाम लिखिए।
2. 'रश्मिरथी' में कर्ण को किसने किस देश का राजा घोषित कर दिया ?
3. जाति के नाम पर कर्ण को रश्मिरथी में किस तरह अपमानित किया जाता है ?
4. संधि किसे कहतेहै ? उदाहरण दीजिए।
5. रूढ़ शब्द की परिभाषा देते हुए सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
6. भाव के आधार पर शब्द के कितने प्रकार होते है? स्पष्ट कीजिए।

प्र.2.आ) निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए। **(04)**

1. देवेंद्र

प्र.2.आ) निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए। (04)

1. देवेंद्र
2. भानूदय
3. हिमालय
4. भावार्थ
5. स्वागत
6. गुरुउपदेश
7. विद्यालय
8. इतिहास

प्र.3. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **(02 X 06 = 12)**

अ) कबहुँक हौं यहि रहनि रहौंगो।
श्री रघुनाथ-कृपालु-कृपातें संत-सुभाव गहौंगो ॥१॥
जथालाभसंतोष सदा, काहू सों कछु न चहौंगो।
पर-हित-निरत निरंतर, मन क्रम बचन नेम निबहौंगो ॥२॥
परुष बचन अति दुसह श्रवण सुनि तेहि पावक न दहौंगो।
बिगत मान, सैम सीतल मन, पर-गुण नहिं दोष कहौंगो ॥३॥
परिहरि देह-जनित चिंता, दुःख-सुख समबुद्धि सहौंगो।
तुलसीदास प्रभु यही पथ रहि अबिचल हरि-भगति लहौंगो ॥४॥

अथवा

जो दिसै सो तो है नाहीं, हैं सो कहा न जाई।
बिन देखे परतीत न आवै, कहै नो को पतियाना।
समझ होय तो शब्दै चिन्है, अचरज होय अयाना।
कोई ध्यावै निराकारा को, कोई ध्यावै आकारा।
या विधि इस दोनों तें न्यारा, जानैं जाननहारा।
यह राग तो लखान जाई, मात्रा लगै न काना।
कहै कबीर सौ पढ़े न परलय, सूरत-निरत जिन जाना।

आ)

कुछ लोग बहुत
समझदार होते हैं .....
वे बहुत जल्दी तय कर लेते हैं
अपने दोस्त और दुश्मन
एक ही पल में
भाँप लेते हैं कौन है अच्छा
कौन बुरा ।

अथवा

कपड़े जब तार-तार होने लगते हैं,
बढ़ जाती है उनकी उपयोगिता!
फटे हुए बनियान बन जाते हैं झाड़न
और पुराने तौलिए पोंछे का कपड़ा।
फटी हुई साड़ियाँ दुपट्टे बन जाती हैं,
बन जाती हैं बच्चों की फलिया।

कौन बुरा ।

अथवा

कपड़े जब तार-तार होने लगते हैं,
बढ़ जाती है उनकी उपयोगिता!
फटे हुए बनियान बन जाते हैं झाड़न
और पुराने तौलिए पोंछे का कपड़ा।
फटी हुई साड़ियाँ दुपट्टे बन जाती हैं,
बन जाती हैं बच्चों की फलिया।

प्र.4.अ) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए। (12)

1. 'आपत्ति' कविता के भावार्थ को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

प्र.4.आ) टिप्पणियाँ लिखिए। (2×6=12)

1. ' पुतली में संसार ' कविता का शीर्षक ।
2. 'यह आदमी'कविता का स्वार्थी मनुष्य ।

प्र.5.अ) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए। **(12)**

1. 'रश्मिरथी' के प्रथम सर्ग की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

अथवा

प्र.5.आ) टिप्पणियाँ लिखिए। **(2×6=12)**

1. कर्ण का चरित्र चित्रण।
2. 'रश्मिरथी' - रंग-भूमि का वर्णन।

प्र.6. अ) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए। **(12)**

1. संज्ञा का अर्थ बताते हुए उसके भेदों की उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

अथवा

प्र.6. आ) टिप्पणियाँ लिखिए। **(2×6=12)**

1. विशेषण।
2. सर्वनाम।